मार्च तक शुरू हो जाएगा पानीपत-गोरखपुर हाईस्पीड कारीडोर का काम

हेमंत श्रीवास्तव ● जागरण

लखनऊ : पानीपत से गोरखपुर तक प्रस्तावित हाईस्पीड कारीडोर (एक्सप्रेसवे) का काम मार्च तक शुरू कर देने की तैयारी की गई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ने इस एक्सप्रेसवे का डीपीआर लगभग तैयार कर लिया है। उत्तर प्रदेश सरकार के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक कर डीपीआर को अंतिम रूप दिया जाएगा। एनएचएआइ उच्चाधिकारियों के मुताबिक इस एक्सप्रेसवे का काम मार्च तक अवार्ड हो जाएगा।

पानीपत से गोरखपुर को जोड़ने वाला 750 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के लगभग 22 जिलों से होकर गुजरेगा। यह यूपी का सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे भी होगा। एक्सप्रेसवे प्रवेश नियंत्रित होगा यानी कुछ ही स्थानों पर एक्सप्रेसवे पर चढ़ने व उतरने के रास्ते दिए जाएंगे। यूपी में इस एक्सप्रेसवे का काम करीब दस पैकेज में होगा। एनएचएआइ सूत्रों के मुताबिक एक्सप्रेसवे के डीपीआर को अंतिम रूप देने से पहले प्रदेश सरकार के उच्चाधिकारियों के साथ इसके अलाइनमेंट (संरेखण) पर चर्चा होगी।

संभावना है कि डीपीआर को लेकर मुख्यमंत्री के साथ भी बैठक हो। राज्य सरकार द्वारा डीपीआर में यदि कोई संशोधन बताया जाता है तो उसके मुताबिक बदलाव करते हुए ही इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। एक्सप्रेसवे यूपी में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, बिजनौर, मेरठ, अमरोहा, संभल, बरेली, रामपुर, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, सीतापुर, लखनऊ, बलरामपुर, बहराइच, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर होते हुए गोरखपुर तक बनाया जाएगा।